स्वायत्तशासी संस्थान की विशेषताएं

स्वायत्त संस्थानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, भारत में उच्च शिक्षा के XI प्लान प्रोफाइल पर UGC दस्तावेज़ में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि: "स्नातक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने का एकमात्र सुरक्षित और बेहतर तरीका है - संबद्ध संस्थानों के अधिकांश लिंक संरचना। शैक्षणिक और ऑपरेटिव स्वतंत्रता वाले संस्थान बेहतर कर रहे हैं और अधिक विश्वसनीयता है। ऐसे संस्थानों को वित्तीय सहायता स्वायत्तता की अवधारणा को बढ़ावा देती है। "

स्वायत्तता की आवश्यकता

उच्च स्तर के कार्यक्रमों की पेशकश करने की क्षमता रखने वाले संस्थानों को उन्हें पेश करने की स्वतंत्रता नहीं है। 1964- 66 शिक्षा आयोग ने बताया कि शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक स्वतंत्रता का प्रयोग हमारे देश की बौद्धिक जलवायु के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। जब तक इस तरह की जलवायु नहीं रहेगी, हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली में उत्कृष्टता हासिल करना मुश्किल है। छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधन को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में सह-भागीदार होने के साथ, यह जरूरी है कि वे एक बड़ी जिम्मेदारी साझा करें। इसलिए, शिक्षा आयोग (1964-66) r e c o m m e n d e स्वायत्तता, जो, संक्षेप में, अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का साधन है।

,,उद्देश्य,,

- शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति (1986-92) ने स्वायत्तशासी संस्था के लिए निम्नलिखित उद्देश्य तैयार किए। एक स्वायत्त संस्थान को निम्नलिखित स्वतंत्रता होगी :

- निर्धारित करें और अध्ययन और पाठ्यक्रम के अपने स्वयं के पाठ्यक्रम निर्धारित करें, और पुनर्गठन और पुन: डिज़ाइन करें। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम; तथा
- राज्य सरकार की आरक्षण नीति के अनुरूप में प्रवेश के लिए नियम लिखिए।
- छात्रों के प्रदर्शन के मूल्यांकन, परीक्षाओं के संचालन और परिणामों की अधिसूचना के तरीकों का विकास करें।
- उच्च मानकों और अधिक रचनात्मकता को प्राप्त करने के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी के आधुनिक उपकरणों का उपयोग करें; तथा
- सामुदायिक सेवा, विस्तार गतिविधियों जैसे स्वस्थ प्रथाओं को बढ़ावा देना,
- बड़े, पड़ोस के कार्यक्रमों आदि में समाज के लाभ के लिए परियोजनाएं।

एक स्वायत्त संस्थान की विशेष विशेषताएं

एक स्वायत्त संस्थान विश्वविद्यालय की पूर्व स्वीकृति के बिना डिप्लोमा (स्नातक और स्नातकोत्तर) या प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए स्वतंत्र है। संस्था की मुहर के तहत डिप्लोमा और प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

एक स्वायत्त संस्थान एक नया डिग्री या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए स्वतंत्र है, जो कि अकादमिक परिषद की मंजूरी के साथ है। एक स्वायत्त संस्थान अकादमिक परिषद की मंजूरी के साथ इसे पुनर्गठन / पुनः डिजाइन करने के बाद मौजूदा पाठ्यक्रम का नाम बदल सकता है।

स्वायत्त संस्थानों में परीक्षा प्रणाली

छात्रों के प्रदर्शन की आंतरिक और बाहरी रूप से जांच की जाती है। निरंतर मूल्यांकन और मूल्यांकन विकल्पों की सीमा। छात्रों को निष्पक्षता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए, परीक्षा प्रणाली में विभिन्न विकल्पों को अपनाया जाता है।

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की भूमिका

परीक्षा समिति सेमेस्टर परीक्षाओं के सुचारू संचालन, असाइनमेंट प्रस्तुत करने और अतिरिक्त परीक्षाओं के लिए जिम्मेदार है। परीक्षाओं के संचालन, स्पॉट वैल्यूएशन, सारणीकरण, ग्रेड कार्ड की तैयारी आदि से संबंधित सभी मामले भीतर आते हैं परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के कर्तव्यों।

परिणामों की घोषणा

परीक्षा नियंत्रक द्वारा सारणीबद्ध ग्रेड की समीक्षा मॉडरेशन कमेटी द्वारा की जाती है। किसी भी विचलन और विसंगतियों को जानबूझकर हटा दिया जाता है। इसकी मंजूरी के लिए अकादमिक मूल्यांकन समिति (AEC) में पूरे परिणाम की चर्चा की गई है। परिणाम वेबसाइट में घोषित किया गया है।

वैधानिक समितियाँ गैर-वैधानिक समितियाँ

1. बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (BOG)
2. शैक्षणिक परिषद
3. वित्त समिति
4. बोर्ड ऑफ स्टडीज
5. परीक्षा नियंत्रक
6. शैक्षणिक लेखा परीक्षा समिति

1. विभागीय शैक्षणिक समिति
2. शिकायत निवारण समिति
3. अनुसंधान और विकास समिति
4. प्रशासनिक गुणवत्ता सर्कल
5. योजना और मूल्यांकन समिति

लघु अवधि के पाठ्यक्रमों की पेशकश करने के लिए स्वायत्त संस्थानों की पात्रता

स्वायत्त संस्थान छात्रों के लाभ के लिए संस्थान के विभागों के तहत विशेष आवश्यकता आधारित अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की पेशकश कर सकते हैं और बाहरी लोग भी उनके लिए नामांकन कर सकते हैं।

स्वायत्त संस्थानों के मानक की जाँच करना

इस उद्देश्य के लिए काम करने वाले स्वायत्त संस्थान में एक निर्मित तंत्र होना चाहिए। एक आंतरिक समिति जिसे अकादमिक मूल्यांकन समिति (AEC) कहा जाता है, एक नॉनस्टैटोरी बॉडी है, जो शिक्षाविदों पर नजर रखेगी और हर साल अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें रखेगी।

स्वायत्त संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों को लाभ

एक स्वायत्त संस्थान छात्रों और शिक्षकों के लिए एक प्रतिष्ठित छवि रखता है। शैक्षणिक प्रदर्शनों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करता है, शिक्षा की गुणवत्ता में स्वैच्छिकता और वृद्धि के लिए प्रयास करता है।